ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम्   विषय- हिन्दी

दिनांक—13/07/2020   **समास(पुनरावृत्ति)**

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

हम लोग अभी समास को पुनः पढ़ रहे हैं, अतः इसे अच्छी तरह से लिखें अपनी कॉपी में एवं याद करें।

एन सी इ आर टी पर आधारित

<u>1.तत्पुरुष समास</u>

(V)पंचमी तत्पुरुष समास (<u>संबंध तत्पुरुष समास)-</u>

इसमें संबंध कारक के परसर्ग चिह्न **('का, की, के')**का लोप हो जाता है; जैसे-

समस्तपद	विग्रह
सेनापति	**सेना का पति**
दीनानाथ	**दीनों के नाथ**
भारतवासी	**भारत का वासी**
अमृतधारा	**अमृत की धारा**
राजपुत्र	**राजा का पुत्र**
गंगातट	**गंगा का तट**

<u>(VI) षष्ठी तत्पुरुष सामास (अधिकरण तत्पुरुष समास)-</u>

इसमें अधिकरण कारक के परसर्ग चिह्न (**'में', 'पे','पर'**)का लोप हो जाता है;जैसे-

समस्तपद	विग्रह
नरोत्तम	**नरों में उत्तम**
आपबीती	**आप पर बीती**
घुड़सवार	**घोड़े पर सवार**
कार्यकुशल	**कार्य में कुशल**

2. **<u>कर्मधारय समास</u>** : इस समास में उत्तरपद प्रधान होता है। दोनों पदों में विशेषण-विशेष्य अथवा उपमेय-उपमान का संबंध होता है; जैसे

विशेषण-विशेष्य कर्मधारय-

समस्तपद	विग्रह
अधमरा	आधा है जो मरा
लालमणि	लाल है जो मणि
सुबुद्धि	अच्छी है जो बुद्धि
लालकिला	लाल है जो किला
महादेव	महान है जो देव
नीलकमल	नीला है जो कमल
नीलकंठ	नीला है जो कंठ
महापुरुष	महान है जो पुरुष

क्रमशः

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”